>

Title: Need to upgrade the status of B.R.D. Medical College, Gorakhpur at par with AIIMS.

श्री रमाशंकर राजभर (सलेमपुर): सभापति महोदय, गोरखपुर मेडिकल कॉलेज के प्रभावी क्षेत्र हैं- गोरखपुर, देवरिया, महाराजगंज, छपरा, सिवान, बेतिया, चम्पारण और सिद्धार्थनगर से लेकर आजमगढ़-मऊ। आपको जानकर ताज्जुब होगा कि इस मेडिकल कॉलेज में वर्ष 2011 में 3,87,551 बाह्यरोगी और 42806 अन्त:रोगी वर्ष 2011 में दाखिल हुए। ए.ई.एस और जे.ई. की बीमारी से प्रभावित 2007 में 3024 मरीज भर्ती हुए और 645 लोगों की मृत्यु हुई। वर्ष 2008 में 3012 मरीज भर्ती हुए और 537 मरीजों की जान गई। वर्ष 2009 में 3073 मरीज भर्ती हुए, 556 मरीजों की मृत्यु हुई। वर्ष 2010 में 3540 मरीज भर्ती हुए, 494 मरीजों की मृत्यु हुई। 2011 में 3490 मरीज भर्ती हुए, 579 मरीज मर गए। मैं कहना चाहता हूं कि आबादी घनत्व का यह जनपद जो सम्पूर्ण बिहार और यू.पी. का पूर्वान्चल है, वहां पर शहीद स्मारक चौरीचौरा है। जनसेवियों का एक दल पूरा झुंड बनाकर दिल्ली की ओर आ रहा है। उनकी एकमात्र मांग है कि पूर्वान्चल में एक एम्स खोला जाए। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करता हूं कि आबादी के धनत्व का यह जो जनपद है, जहां पानी के दूषित होने के कारण तरह तरह की बीमारियां हैं और उन बीमारियों से तबाह होकर लोग परेशान हो रहे हैं। 300-400 कि.मी. के अंदर उन्हको कोई भी पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल कॉलेज नहीं मिल रहा है। अगर वे पीजीआई आएंगे तो 400 कि.मी. पड़ेगा, दिल्ली आएंगे तो 1400 कि.मी. पड़ेगा। इसलिए मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करता हूं कि गोरखपुर मेडिकल कॉलेज को एम्स स्तर की सुविधा दी जाए या पूर्वान्चल में एक एम्स खोला जाए। यही मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं।